

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,

सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शो,

उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महानिबन्धक,

भा० उत्तरांचल उच्च न्यायालय,

नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

देहरादून : दिनांक : 5 दिसम्बर, 2006

विषय: भा० उत्तरांचल उच्च न्यायालय परिसर, नैनीताल में ब्लॉक 'डी' से ब्लॉक 'ए' तथा 'सी' को बाया ब्लॉक 'बी' के बाहरी भाग से होते हुए आपस में जोड़ने के कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-3022/UHC/Admin.B/Const./2006, दिनांक 7.11.2006 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भा० उत्तरांचल उच्च न्यायालय परिसर, नैनीताल में ब्लॉक 'डी' से ब्लॉक 'ए' तथा 'सी' को बाया ब्लॉक 'बी' के बाहरी भाग से होते हुए आपस में जोड़ने के कार्य हेतु ₹ 6,40,000/- के आगणन के विरुद्ध टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत ₹ 6,30,000/- (रुपये छः लाख तीस हजार मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए कुल रुपये 6,30,000/- (रुपये छः लाख तीस हजार मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की भी स्वीकृति महामहिम राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहपत्र प्रदान करते हैं :-

- (1) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को, जो दर शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा । तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी ।
- (2) कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों के विस्तृत आगणन एवं मानचित्र गठित कर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जाए, तदोपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाय ।
- (3) कार्य की स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय अन्यथा की स्थिति में लागत के पुनरीक्षण के लिए शासन द्वारा कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की जायेगी ।
- (4) एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय ।
- (5) निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मद्देनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरो/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित किया जाय ।
- (6) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूतली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य कर ली जाय । निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाय ।
- (7) आगणन में धनराशि जिन मदों हेतु स्वीकृत की गई है, उसी मद में व्यय की जाय । एक मद की राशि दूसरी मद में किसी भी दशा में व्यय न की जाय ।

- (8) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय ।
- (9) स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.3.2007 तक पूर्ण उपयोग कर स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जाय ।
- (10) व्यय से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूलस, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेश एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन किया जाय । कार्य की गुणवत्ता एवं समर्थकता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी/अधिशाली अभियन्ता पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे ।
- (11) निर्माण कार्य करत समय अथवा आगपत गठित करत समय मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनादेश संख्या 2047/XIV/219(2006), 30.5.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय ।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय व्यय के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा-शीर्षक "4059-लोकनिर्माण कार्य पर चूजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-051-निर्माण-03-आवाजनागत-03-न्यायिक कार्यों हेतु भवनों का निर्माण-24-ग्रहण निर्माण कार्य" के नाम से डाला जायेगा ।

4- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-733/XXVII(5)/2006, दिनांक 12.12.06 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवशीय,

(आर०डॉ०पालीवाल)

सचिव ।

संख्या-46-वा(2)/XXXVI(1)/2006-तद्विनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारों), आंचराय बिल्डिंग, उत्तरांचल, मानरा, देहरादून ।
2. मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून ।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
4. मुख्य अभियन्ता, स्तर-1 लोक निर्माण विभाग, देहरादून ।
5. अधिशाली अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, नैनीताल ।
6. नियोजन विभाग/वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन ।
7. एन०आई०सी०/सम्बन्धित समीक्षा अधिकारी/गार्ड फाइल ।

आज्ञा से,
2016

(एम०एम०संमवाल)

अनु सचिव ।